राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 254 | जौनपुर | रविवार, 04 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

राजकीय संप्रेषण गृह में ध्यान एवं परामर्श शिविर का किया गया आयोजन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आकांक्षा समिति एवं हार्टफुलनेस हरदोई के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय संप्रेक्षण गृह में हृदय आधारित ध्यान एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य संप्रेक्षण गृह में रहने वाले किशोरों को ध्यान एवं करीयर परामर्श के माध्यम से अपने विचारों को सही दिशा देकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। सीडीओ हरदोई की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में हार्टफुलनेस हरदोई के प्रशिक्षक राजीव गुप्ता एवं अनुपम सिंह ने सुधार गृह के बच्चों को ध्यान के लाभ बताकर उन्हें ध्यान करवाया। इसके पश्चात विजय कुमार सिंह ऐडवोकेट एनडीपीएस ने सुधारगृह में उपस्थित।

संक्षिप्त समाचार

आरबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, दो अन्य बैंकों पर जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने नियामक अनुपालन में कमियों के लिए आईसीआईसीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा सहित चार बैंकों पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बैंकों में साइबर सुरक्षा ढांचे, अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) और क्रेडिट कार्ड तथा डेबिट कार्ड जारी करने से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक पर 97.80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एक अन्य बयान में, आरबीआई ने कहा कि उसने बैंकों की वित्तीय सेवाओं और बैंकों में ग्राहक सेवा पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा पर 61.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने कुछ अनुपालन खामियों के चलते आईडीबीआई बैंक लिमिटेड पर 31.8 लाख रुपये और बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर 31.80 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। आरबीआई ने कहा कि सभी मामलों में जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों के चलते लगाया गया है और इसका बैंकों के अपने ग्राहकों के साथ किसी भी लेनदेन या समझौते की। वैधता से कोई संबंध नहीं है।

जाति आधारित जनगणना को लेकर तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत पत्र लिखकर आम जनगणना के साथ–साथ देश भर में जाति आधारित जनगणना कराने के केंद्र के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि, पत्र में उन्होंने एनडीए के पिछले रुख की तीखी आलोचना की और सरकार से व्यापक सामाजिक न्याय सुधारों के लिए आंकड़ों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। अपने पत्र में यादव ने प्रधानमंत्री को बिहार में महागठबंधन के 17 महीने के कार्यकाल के दौरान एनडीए नेताओं और संस्थानों द्वारा पैदा किए गए विरोध और बाधाओं की याद दिलाई, जब राज्य सरकार ने अपना जाति आधारित सर्वेक्षण कराया था। यादव ने लिखा, ष्सालों से आपकी सरकार और एनडीए जाति आधारित जनगणना की मांग को विभाजनकारी और अनावश्यक बताकर खारिज करते रहे हैं। जब महागठबंधन सरकार ने इसे कराने का फैसला किया, तो केंद्रीय अधिकारियों और आपकी पार्टी के सहयोगियों ने सक्रिय रूप से इसकी आवश्यकता पर सवाल उठाए और बाधाएं पैदा कीं। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने के केंद्र के फैसले पर पीएम नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि बिहार जाति सर्वेक्षण से पता चला है कि ओबीसी और ईबीसी राज्य की आबादी का लगभग 63 प्रतिशत हिस्सा हैं – एक ऐसा निष्कर्ष जिसने लंबे समय से चले आ रहे मिथकों को तोड़ दियाष और समावेशी शासन की तत्काल आवश्यकता को प्रदर्शित किया। यादव ने कहा कि इसी तरह के पैटर्न राष्ट्रीय स्तर पर भी उभरने की संभावना है, । और यह रहस्योद्घाटन कि वंचित समुदाय भारी बहुमत बनाते हैं, जबकि सत्ता के पदों पर उनका प्रतिनिधित्व कम है, इससे लोकतांत्रिक जागृति पैदा होनी चाहिए।

राज्य में टैक्स चोरी रोकने के लिए कठोरतम कार्रवाई करें : सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर संग्रह में पारदर्शिता, तकनीकी दक्षता के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि कर प्रणाली में नवाचारों को अपनाएं और ईमानदार करदाताओं को हरसंभव सुविधा और सम्मान दें। मुख्यमंत्री शुक्रवार को राज्य कर विभाग की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि टैक्स चोरी राष्ट्रीय क्षति है और इसे किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने विभागीय स्तर पर टैक्स चोरी रोकने के लिए कठोरतम और सुनियोजित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में सीएम को बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभाग ने 1,14,637.54 करोड़ का कर संग्रह किया। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 1.75 लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नए वित्तीय वर्ष के पहले महीने अप्रैल में 9,986.15 करोड़ का टैक्स मिला। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ जोन जैसे गौतमबुद्धनगर, अयोध्या, लखनऊ द्वितीय, अलीगढ़, कानपुर प्रथम और झांसी ने अप्रैल में 60 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य अर्जित कर सराहनीय काम किया है। लखनऊ ने 71.66 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया है। वहीं कुछ जोन और कॉरपोरेट सर्किल में अपेक्षित संग्रह न होने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी, इटावा, गोरखपुर, कानपुर द्वितीय और आगरा को और मेहनत करने की जरूरत है। इसी तरह मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर और जालौन के कुछ सेक्टरों में भी सुधार के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एडिशनल कमिश्नरों से भी संवाद किया और उनके अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपलब्धता की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अधिकारी तकनीक को तेजी से अपनाएं। आईटी टूल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा एनालिटिक्स का उपयोग कर न केवल संग्रहण क्षमता बढ़ाई जाए, बल्कि करदाताओं को सरल और भरोसेमंद अनुभव भी दें।

पाकिस्तान से आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध, पहलगाम हमले के बाद भारत का सख्त एक्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पाकिस्तान के खिलाफ एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारत ने सभी पाकिस्तानी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उठाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय की 2 मई की अधिसूचना में कहा गया है, ष्पाकिस्तान से आयातित या निर्यातित सभी वस्तुओं का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन, चाहे वे स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हों या अन्यथा अनुमत हों, तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा।ष इस संबंध में विदेश व्यापार नीति (थ्ज्च्) 2023 में एक प्रावधान जोड़ा गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (क्ळथ्ज्) ने अधिसूचना में कहा कि यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लगाया गया है। इस प्रतिबंध के किसी भी अपवाद के लिए भारत सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होगी। गौरतलब है कि भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र व्यापार मार्ग वाघा–अटारी सीमा को पहले ही बंद कर दिया था, जिसके कारण दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में और गिरावट आई। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर कठोर कदम उठाते हुए हुए ।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गोवा में भगदड़ में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को गोवा में मची भगदड़ में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उत्तरी गोवा स्थित एक मंदिर में शनिवार तड़के एक उत्सव के दौरान भगदड़ मचने से छह लोगों की मौत हो गई

और 30 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना पणजी से करीब 40 किलोमीटर दूर शिरगांव के श्री लईराई देवी मंदिर में तड़के करीब तीन बजे हुई। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''गोवा के शिरगांव में भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जानकर दुख हुआ। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई। मैं शोकसंतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

निर्मला सीतारमण ने जातिगत गणना का श्रेय लेने पर तमिलनाडु सरकार को घेरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के इस दावे को खारिज कर दिया कि जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का केंद्र का निर्णय ''कड़े परिश्रम से हासिल जीत'' है। साथ ही सीतारमण ने इस कदम का ''राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास'' करने के लिए तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना की। सीतारमण ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जातिगत गणना को मंजूरी दे दी है और इस अभ्यास के जरिए जुटाए जाने वाले आंकड़ों से सरकार समाज के गरीब और हाशिए पर पड़े वर्गों की बेहतर मदद कर सकेगी। वित्त मंत्री ने द्रमुक शासन में राज्य के एक गांव में हुई एक घटना का भी हवाला दिया, जहां कथित तौर पर पेयजल में मानव मल–मूत्र मिला हुआ पाया गया था। सीतारमण ने कहा, ''उनका (द्रमुक) कहना है कि उत्तर भारत के कुछ राज्य पिछड़े हुए हैं लेकिन ऐसे राज्यों में भी इस तरह की घटनाएं नहीं हुई हैं। इसलिए, द्रमुक के इस तर्क में कोई दम नहीं है कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का केंद्र का फैसले उनकी जीत है। दिसंबर 2022 में पुडुकोट्टई जिले के वेंगाइवायल गांव में अनुसूचित जाति के आवासीय इलाके में एक पानी की टंकी में कथित तौर पर मानव मल–मूत्र मिला पाया गया था। स्टालिन ने हाल में कहा था कि आगामी जनगणना अभ्यास में जातिगत गणना को शामिल करने का केंद्र का फैसला उनकी पार्टी और तमिलनाडु सरकार के लिए ''कड़े परिश्रम से हासिल जीत'' है। द्रमुक पर हमला जारी रखते हुए सीतारमण ने कहा कि आज भी तमिलनाडु में दुकानों के बोर्ड पर मालिकों के समुदाय के नाम लिखे होते हैं। उन्होंने कहा, ''इस पर कोई राजनीतिक टिप्पणी करने के बजाय मैं ईमानदारी से चाहती हूं कि हमें इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि हम उन लोगों की कैसे मदद कर सकते हैं जो गरीब और दलित हैं।' इस आरोप का जवाब देते हुए कि केंद्र सरकार केवल कॉरपोरेट्स के पक्ष में काम कर रही है, उन्होंने स्पष्ट रूप से इसका खंडन किया और कहा कि अगर किसी राज्य सरकार को निवेश प्रस्ताव मिले हैं तो क्या इसका मतलब यह है कि वह पक्षपात कर रही है। उन्होंने कहा, ''केंद्र किसी भी कॉर्पोरेट का पक्ष नहीं ले रहा है। दूसरी बात आज प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने विड़िण्गम बंदरगाह का उद्घाटन किया। लेकिन, इसे ओमन चांडी (दिवंगत) नीत पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने औपचारिक रूप से अदाणी समूह को सौंप दिया था।'' द्रमुक के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि केंद्र राज्य को धन नहीं दे रहा है, सीतारमण ने कहा, ''मैं जब भी यहां आती हूं तो तमिलनाडु को कितना धन आवंटित किया गया है इसका आंकड़ा साझा करती हूं। लेकिन वे (तमिलनाडु सरकार) इस तरह की टिप्पणी (कि केंद्र ने कोई धन जारी नहीं किया) करते रहे हैं।

गोवा के मुरव्यमंत्री ने मंदिर में भगदड़ के मामले की जांच की घोषणा की

गोवा, (एजेंसी)। राज्य में मंदिर उत्सवों के दौरान ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भविष्य में सावधानी बरती जाएगी। सावंत ने कहा कि भगदड़ के बारे में पता चलने के बाद वह सुबह मापुसा शहर स्थित उत्तरी गोवा जिला अस्पताल गए। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घोषणा की कि उत्तरी गोवा के मंदिर में मची भगदड़ के मामले की जांच की जाएगी और उसके बाद रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाएगा। उत्तरी गोवा स्थित एक मंदिर में शनिवार तड़के एक उत्सव के दौरान भगदड़ मचने से छह लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना पणजी से करीब 40

किलोमीटर दूर शिरगांव के श्री लईराई देवी मंदिर में तड़के करीब तीन बजे हुई। घटना के कुछ घंटों बाद सावंत ने भगदड़ स्थल का दौरा किया। सावंत ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, ''मैंने घटना की विस्तृत जांच का आदेश दिया है। हम रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे।'' उन्होंने कहा कि राज्य में मंदिर उत्सवों के दौरान ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भविष्य में सावधानी बरती जाएगी। सावंत ने कहा कि भगदड़ के बारे में पता चलने के बाद वह सुबह मापुसा शहर स्थित उत्तरी गोवा जिला अस्पताल गए। इससे पहले सावंत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें फोन कर पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

न्यायालय ने दो दशक पहले 10 रुपये के स्टांप पेपर पर दो रुपये अतिरिक्त लेने वाले व्यक्तिको बरी किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक अजीबोगरीब मामले में, दो दशक पहले स्टांप पेपर के लिए 2 रुपये अतिरिक्त वसूलने के आरोपी एक विक्रेता को उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को बरी कर दिया। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत रिश्वत की मांग और उसे स्वीकार करने की बात साबित करने में विफल रहा। शीर्ष अदालत ने स्थानीय अदालत द्वारा दिल्ली के अमन भाटिया को 2013 में सुनायी गयी सजा को रद्द कर दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2014 में लाइसेंस प्राप्त स्टांप विक्रेता अमन भाटियों की सजा की पुष्टि की थी। रिकॉर्ड में यह बात सामने आई कि नौ दिसंबर, 2003 को शिकायतकर्ता 10 रुपये का स्टांप पेपर खरीदने के लिए दिल्ली के जनकपुरी स्थित उप–पंजीयक के कार्यालय गया था। भाटिया ने कथित तौर पर 10 रुपये के स्टांप पेपर के लिए 12 रुपये मांगे थे। दो रुपये की अतिरिक्त मांग के खिलाफ शिकायतकर्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक शाखा में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसने भाटिया को रंगे हाथों पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसके बाद भाटिया पर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के प्रावधानों के तहत अधिक कीमत वसूलने का मामला दर्ज किया गया और 30 जनवरी 2013 को आरोपी को दोषी ठहराया गया तथा एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। उच्च न्यायालय ने 12 सितम्बर 2014 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत भाटिया को लोक सेवक मानते हुए दोषसिद्धि और सजा की पुष्टि की थी। भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के प्रावधानों के तहत भाटिया को लोक सेवक मानने के बावजूद, शीर्ष अदालत को एसीबी द्वारा बिछाए गए जाल में रिश्वत की मांग और उसकी स्वीकृति का कोई सबूत नहीं मिला। पीठ ने भाटिया की अपील स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती और इसलिए इसे खारिज किया जाना चाहिए।

मुजफ्फरनगर में पहलगाम घटना के विरोध प्रदर्शन, कुछ लोगों ने राकेश टिकैत को सभा संबोधित करने से रोका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और पाकिस्तान में आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर विभिन्न व्यापारी संगठनों और हिंदू कार्यकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक बड़ी आक्रोश रैली यहां हुई। रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया, जो टाउन हॉल से शुरू हुई और शहर के कई हिस्सों से गुजरी। प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान के पुतले जलाए गए। रैली में संयुक्त व्यापार संघर्ष समिति, भारतीय हिंदू शक्ति दल और विश्व हिंदू परिषद सहित सौ से अधिक संगठनों ने हिस्सा लिया। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत भी शाम को विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। हालांकि, उनकी उपस्थिति को लेकर कुछ लोगों ने विरोध किया, जिन्होंने उन्हें सभा को संबोधित करने से रोक दिया। रैली में टिकैत के पहुंचने पर भीड़ का एक हिस्सा उत्तेजित हो गया, जिसके कारण टिकैत वहां से चले गए। जब वह जा रहे थे, तभी हाथापाई हुई और उनकी पगड़ी जमीन पर गिर गई। पुलिस अधीक्षक (नगर) सत्यनारायण प्रजापत ने घटना पर सफाई देते हुए कहा कि राकेश टिकैत पर डंडों से हमला करने की खबरें गलत हैं। उन्होंने पुष्टि की ,''रैली में कुछ लोगों ने भाकियू नेता का विरोध किया और उन्हें परेशान किया और धक्का–मुक्की के दौरान उनकी पगड़ी गिर गई।'' किसान नेता राकेश टिकैत ने घटना की निंदा करते हुए इसे ''किसान आंदोलन को दबाने के लिए एक विशेष राजनीतिक दल की साजिश'' बताया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि ''उनके खिलाफ कुछ युवकों को भेजा गया था'' और ''जो लोग परेशान कर रहे थे, उनमें से कुछ शराब के नशे में थे।'' टिकैत ने घोषणा की कि किसान आतंकवाद के विरोध में ट्रैक्टर मार्च भी निकालेंगे। मार्च की तारीख आने वाले दिनों में तय की जाएगी। उन्होंने केंद्र सरकार से जनता के गुस्से को शांत करने के लिए आतंकवादियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया।

पाकिस्तान ने बोला– उसे सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने का अधिकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के अध्यक्ष ने पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच की स्थिति पर चर्चा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक जल्द ही हो सकती है और यह विचार व्यक्त करने तथा तनाव कम करने में मदद करने का एक अवसर होगा। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत के साथ तनाव बढ़ने पर उसे उचित समय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक बुलाने का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम देख रहे हैं कि यह सब कुछ जम्मू–कश्मीर की स्थिति की पृष्ठभूमि में हो रहा है।'' अहमद ने एक सवाल के जवाब में यह बात कही, जिसमें उनसे पूछा गया था कि क्या पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की योजना बना रहा है। पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है और जुलाई में 15 देशों वाली संयुक्त राष्ट्र संस्था की अध्यक्षता करेगा। अहमद ने कहा, ''यहां स्पष्ट है कि यह एक घटना थी, लेकिन अब जो स्थिति उत्पन्न हो गई है, वह क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। और हमारा मानना घ्है कि सुरक्षा परिषद को वास्तव में यह अधिकार प्राप्त है, तथा पाकिस्तान समेत परिषद के किसी भी सदस्य के लिए सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाना, चर्चा का अनुरोध करना तथा इस गंभीर स्थिति पर विचार करना पूरी तरह से वैध होगा। '' अहमद ने कहा, ''हमने परिषद के सदस्यों के साथ इस पर चर्चा की है। हमने पिछले महीने के अध्यक्ष और इस महीने के अध्यक्ष के साथ इस पर चर्चा की है। हम स्थिति पर बहुत बारीकी से नजर रख रहे हैं । और हमें उचित लगने पर बैठक बुलाने का अधिकार है।'' जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है।

संपादकीय

वक्त की आवाज

ऐसे वक्त में जब पहलगाम हत्याकांड के बाद देश में गुस्से और आक्रोश का माहौल है, तब एक विवेक की आवाज का बुलंद होना सुखद ही है। पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले में नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपने जीवनभर सालने वाले दुख के बावजूद अपील की है कि इस आतंकी हमले के लिये जिम्मेदार अपराधियों के अलावा किसी को कोई सजा न मिले। विनय नरवाल के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने कहा ' हम नहीं चाहते कि लोग अल्पसंख्यकों व कश्मीरियों को अपने आक्रोश का शिकार बनाएं।' बाकायदा, उन्होंने इस मौके पर देश में शांति बनाये रखने और सांप्रदायिक सद्भाव कायम रखने की जोरदार अपील की। जो उस सोच के विपरीत है जो पहलगाम के बैसरन में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद देश में उभारी जा रही है। दरअसल, हिमांशी ने उन उग्र सोच के लोगों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया, जो इस राष्ट्रीय त्रासदी का लाभ उठाकर सांप्रदायिक प्रतिशोध की सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आगरा में एक परेशान करने वाला मामला प्रकाश में आया, जहां एक बिरयानी विक्रेता की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर प्रचारित किया गया कि यह पहलगाम त्रासदी का प्रतिशोध है। निस्संदेह, ऐसी संकीर्ण मानसिकता का राजनीतिक और धार्मिक नेताओं द्वारा विरोध न किया जाना, अक्षम्य ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से ऐसी अप्रिय व परेशान करने वाली घटनाएं हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने–बाने को ही नुकसान पहुंचाती हैं। खासकर उस ताने–बाने को, जो पहले से ही कमजोर पड़ रहा है। निर्विवाद रूप से कश्मीर के पहलगाम में हुई सांप्रदायिक हत्याओं के जरिये आतंकवादियों का मुख्य मकसद देश में हिंदू–मुस्लिमों के बीच तनाव पैदा करके देश की एकता को कमजोर करना था। ऐसे में यदि हम भी उसी सोच के साथ प्रतिक्रिया देने लगे तो कहीं न कहीं हम परोक्ष रूप से आतंकवादियों के मंसूबों को ही पूरा कर रहे होंगे। यह निर्विवाद तथ्य है कि हमें इसी समाज में रहना है और बेहतर होगा कि हम तमाम संकीर्णताओं को त्यागकर और मिलजुलकर ही रहें। यदि हम आतंकवादियों की सोच का प्रतिकार उनके एजेंडे के अनुरूप करेंगे तो निश्चिय ही गंगा–जमुनी संस्कृति को नुकसान पहुंचेगा। आतंकवादियों का मंसूबा जम्मू–कश्मीर ही नहीं पूरे देश में शांति को भंग करना था। ऐसी किसी भी संकीर्ण सोच को सामूहिक संकल्प से ही नाकाम किया जा सकता है। इसी तरह की सार्थक व प्रेरक प्रतिक्रिया गुरमेहर कौर की तरफ से आई, जिनके पिता वर्ष 1999 में जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए थे। उन्होंने देशकाल–परिस्थितियों के अनुरूप प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आतंकवाद की असली हार तब ही होती है जब हम हिंसा की प्रतिक्रिया में खुद को विभाजित करने से मना कर देते हैं। निस्संदेह, राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में, नागरिकों को उन लोगों को दृढ़ता से दूर करना चाहिए, जो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को उन तत्वों पर नकेल कसनी चाहिए, जो आतंकवादियों के जघन्य कृत्यों की कीमत निर्दोष लोगों से वसूलने पर तुले हुए हैं।

मध्य वर्ग के विरोधाभास और शिक्षा का बाजारीकरण

अविजित

जब हाल ही में मैंने राष्ट्रीय राजधानी में फीस में अनाप–शनाप वृद्धि–ट्यूशन फीस से लेकर वातानुकूलित कक्षाओं के लिए अतिरिक्त शुल्क तक के खिलाफ गुस्साए अभिभावकों की खबरें देखीं तो मेरे मन ने उन विरोधाभासों पर विचार करना शुरू कर दिया, जो तथाकथित तरक्कीपसंद एवं महत्वाकांक्षी वर्ग के जीवन–ढंग को चरित्रार्थ करते हैं। हां, मैं समझ सकता हूं कि कोई फैंसी निजी स्कूल, जहां वे अपने बच्चों को शिक्षा के लिए भेजते हैं, यदि मनमाने ढंग से फीस बढ़ा दे, उनकी जरा सुनवाई न करे और उन्हें महंगी वर्दी, नोटबुक और गैर–एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें खरीदने के लिए मजबूर करे, तो गुस्सा होने के उनके कारण वाजिब हैं। मेरी उस अभिभावक से पूरी सहानुभूति है, जब वह कहता है कि एक बंदे की कमाई पर चलने वाले परिवार के लिए 50,000 रुपये सालाना प्रति बच्चा का अतिरिक्त चुकाना बेहद मुश्किल हो जाएगा। फिर भी इन गुस्साए अभिभावकों से एक सवाल पूछे बिना मुझसे रहा नहीं जा रहारू क्या उन्हें नहीं पता था कि बच्चों को इन आलीशान निजी स्कूलों में भेजने का उनका फैसला शिक्षा के बाजारीकरण और वस्तुकरण को अपनी सहमति देने जैसा था? और क्या यह सच नहीं है कि हममें से कई लोग, जो इस वर्ग से हैं, क्या कभी उन्होंने कभी सरकार पर यह दबाव डालने की जहमत उठाई है कि सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल हमारे बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए सुसज्जित क्यों नहीं हैं? वास्तव में, इसकी बजाय जब मैं हर सुबह डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, सिविल सेवक, प्रोफेसर और अन्य पेशेवरों को अपने बच्चों के साथ वातानुकूलित स्कूल बसों का इंतजार करते हुए देखता हूं और ठीक इसी वक्त फटे–मटमैले कपड़ों में कुपोषित बच्चे पास के नगरपालिका स्कूलों की ओर जा रहे होते हैं, मैं एक अन्य तल्ख हकीकत देख रहा होता हूं, जो अत्यधिक असमान व विषमता भरे इस देश की विशेषता है। शायद ही कभी ये दोनों दुनिया आपस में मिलती हों। वास्तव में, हम यह विलय करना ही नहीं चाहते थे। एक सुचालित सार्वजनिक क्षेत्र के लिए हमने मिलकर लड़ाई लड़ी ही नहीं। इसकी बजाय, हमने खुद को हर उस चीज से अलग करना शुरू कर दिया जो 'सार्वजनिक' है। सार्वजनिक परिवहन की बजाय अपने निजी वाहन या सरकारी अस्पतालों की बजाय निजी नर्सिंग होम तक रू हमने खुद का गरीबों, वंचितों और निम्न मध्यम वर्ग के संघर्षों से किनारा कर लिया। इसका नतीजा यह है कि सरकार भी सामाजिक रूप से सार्थक सभी कल्याणकारी परंपराओं से दूर होती जा रही है। इसलिए, कुछ हद तक यह पाखंड लगता है, जब हम इस पर रोष करने लगें कि नई दिल्ली के एक जाने–माने निजी स्कूल की वार्षिक ट्यूशन फीस (पंजीकरण, विकास, परीक्षा शुल्क और परिवहन जैसे अतिरिक्त शुल्कों के अलावा) 2 लाख रुपये है। यह सोच कुछ वैसी ही है कि यदि आप और मैं गुहार करें और अपनी वित्तीय कठिनाइयों की कहानियां बताएंगे तो कोई फैंसी कॉर्पोरेट अस्पताल पसीज कर अपना शुल्क घटा देगा! यह वास्तव में चिंता का विषय है कि हमारे सार्वजनिक स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय तेजी से कम हो रहे हैं, और निजी उद्यम कुकुरमुत्ते की भांति तेजी से उग रहे हैं। संभवतः, मेरी पीढ़ी कुछ हद तक भाग्यशाली थी। जी हां, मैं पश्चिम बंगाल के एक बांग्ला–माध्यम सरकारी विद्यालय में पढ़ा हूं। हमारे स्कूल में हम धाराप्रवाह अंग्रेजी में बात नहीं करते थे, हमारे पास वह सब नहीं था जिसे आज वाली पीढ़ी एक जरूरी 'सांस्कृतिक पूंजी' मानती है रू वे प्रतीक और चाल–चलन, जो हमें हर उस चीज से अलग करे, जो 'सामान्य' है। और फिर भी, मुझे यह कहने में जरा संकोच नहीं है कि हमें काफी हद तक बढ़िया शिक्षकों की संगति मिली, और हमारा शैक्षणिक कौशल काफी संतोषजनक रहा। इसके अलावा, इस सरकारी स्कूल में, मैंने विविधता और बहुलता के परमानंद का अनुभव किया। मेरे दोस्त अलग–अलग जातियों, वर्गों और धर्मों से थे। अमीर और गरीब के बीच कोई भेदभाव नहीं था। वास्तव में, जो लोग निजी स्कूलों के सामने फीस वृद्धि का विरोध कर रहे हैं, उन्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि जब मैंने 1974 में अपनी बोर्ड परीक्षा दी थी, तब ट्यूशन फीस मात्र 5 रुपये प्रति माह थी! संभवतः, 'सामान्य स्कूलों' वाली महान दृष्टि जो कोठारी शिक्षा आयोग, 1966 की सिफारिशों की विशेषता थी, तब तक भी जीवित थी। भारत गरीब था लेकिन तब भी, 'दक्षता' और 'विकास' के नवउदारवादी सिद्धांत में छिपा बाजार–कट्टरवाद का तर्क इतने स्पष्ट रूप से उघड़ा नहीं था। सरकारी स्कूलों से लेकर समावेशी और किफायती सार्वजनिक विश्वविद्यालयों तक रू हमारी यह यात्रा, भले ही परिपूर्ण न हो, लेकिन इसने हमें सिखाया कि किस प्रकार समाजवादी व कल्याणकारी नीतियों के बिना, भारत असमानता और शोषण के अभिशाप को दूर करने, एक लोकतांत्रिक और समतावादी राष्ट्र की ओर नहीं बढ़ सकता। हालांकि, हमारे समय में भी, नवउदारवादी बाजार कट्टरवाद की चमक–दमक ने हमउम्रों को भी बहकाया है। कोई आश्चर्य नहीं कि हम सरकार से कुछ भी ठोस मांग नहीं करते हैं। इसकी बजाय, हमने यह स्वीकार लिया है कि लगभग हर वह चीज– चाहे शिक्षा हो या स्वास्थ्य, यहां तक कि शुद्ध हवा भी– एक वस्तु भर है और अगर आपके और मेरे पास पैसा है, तो हम इसे खरीद सकते हैं। 'सार्वजनिक मुद्दों के निजी समाधानों' में यह नवउदारवादी विश्वास इतना गहरा पैठ चुका है कि हम सरकार से कुछ भी ठोस मांगना भूल गए हैं। हमें अपने विरोधाभासों को स्वीकार करना होगा। हम चाहते हैं कि ये शिक्षा की दुकानें अपने पैकेज्ड यानी कमोडिफाइड शिक्षा की कीमत कम करें। हालांकि, सरकार से यह मांग करना कि जो टैक्स हम भरते हैं, उसका सही इस्तेमाल किया जाए ताकि कम से कम किफायती, समावेशी और अच्छी गुणवत्ता वाले सरकारी स्कूल, सरकारी विश्वविद्यालय और सरकारी अस्पताल मिल सकें, इस हक के वास्ते सड़क पर उतरना हमें मंजूर नहीं। साझा सार्वजनिक चिंताओं के प्रति हमारी इस उदासीनता ने ही ऐसी स्थिति पैदा की है जिसमें हम तमाम सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की कम होती संख्या देख रहे हैं।

मीडिया की आजादी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती

चेतनादित्य

किसी भी देश अथवा समाज में स्वतंत्र मीडिया के बिना स्वस्थ लोकतंत्र को सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं हो सकता, क्योंकि मीडिया वास्तव में लोकतंत्र का प्रहरी होता है। लोकतंत्र का ही क्यों, मीडिया तो राष्ट्र, मानवीय सभ्यता और संस्कृति, यहां तक कि मानवता का भी रक्षक होता है। आश्चर्य नहीं कि समय–समय पर भारत एवं दुनिया भर में मीडिया ने अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं से इसे सही साबित भी किया है। यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। समय बीतने के साथ–साथ मीडिया ने अपने पिछले अनुभवों के आधार पर अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं में अपेक्षित परिवर्तनों के साथ विस्तार दिया है। मीडिया के कार्य करने का मुख्य आधार 'जनपक्षधरता' और इसका प्रधान उद्देश्य 'जनता में जागृति' लाना होता है और इन्हीं दोनों कारणों से मीडियाकर्मियों यानी पत्रकारों के लिए बिना रोक–टोक, विरोध और अड़चन के अपने कार्यों का निष्पादन कर पाना कभी भी सहज नहीं रहा है। दरअसल, जनपक्षधरता और जनता में जागृति लाने का कार्य अत्यंत जोखिम भरा होता है। इसीलिए दुनिया भर में प्रायः पत्रकारिता को बेहद जोखिम भरा कार्य माना जाता है। दुर्भाग्य से, दिनोंदिन जोखिम बढ़ने के कारण विश्व भर के लोकतांत्रिक देशों में पत्रकारों के लिए निष्पक्ष रहकर कार्य कर पाना लगातार मुश्किल और जोखिम भरा होता जा रहा है। कई बार अपने कार्यों का निष्पादन करते हुए पत्रकारों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। अब तक विश्व भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आ भी चुके हैं। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2006 से 2020 के बीच दुनिया भर में 1,200 से अधिक मीडिया पेशेवरों की हत्या कर दी गई। इनमें से 90 प्रतिशत मामलों में उनके हत्यारे दंडित नहीं किए जा सके। इसके बावजूद, पत्रकारिता के मानदंडों पर खरे उतरते हुए पत्रकार सत्य को उजागर करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने को लेकर अपनी जान को जोखिम में डालने से भी नहीं हिचकते। अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर कार्य करने वाले पत्रकारों की आवाज को कोई भी ताकत दबा न सके और उनके निष्पक्ष और सशक्त अभियानों पर कोई भी व्यक्ति, संस्थान या सरकार अंकुश न लगा सके, इसके लिए उनकी स्वतंत्रता बहुत जरूरी और अहम है। जाहिर है कि यदि वे स्वतंत्र नहीं रहेंगे तो अपने कार्यों को निष्पक्ष रहते हुए अच्छे ढंग से नहीं कर पाएंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रेस की स्वतंत्रता के मूलभूत सिद्धांतों का पालन करने तथा पत्रकारों की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाया जाता है। यह दिन उन पत्रकारों को स्मरण और सम्मानित करने तथा श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है, जिन्होंने सत्य को उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है अथवा जिन्होंने देश–दुनिया में अपनी पत्रकारिता के दम पर अपना नाम बनाया और एक मुकाम हासिल किया है। प्रतिवर्ष रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) द्वारा प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक एक वैश्विक सूची प्रकाशित की जाती है। इस सूची में विश्वभर के पत्रकारों को कार्य करने की उपलब्ध स्वतंत्रता के आधार पर देशों की रैंकिंग प्रस्तुत की जाती है। बता दें कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक रिपोर्ट 2024 में भारतीय पत्रकारों को लेकर चिंताजनक रुझान दिखाई दिए हैं। दरअसल, 2024 के इस सूचकांक में भारत विश्व भर के 180 देशों में 159वें स्थान पर मौजूद है, जो पिछली रिपोर्ट से भी नीचे है। रिपोर्ट में मीडिया स्वामित्व संकेन्द्रण, पत्रकारों का उत्पीड़न और इंटरनेट शटडाउन जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है।

.... विविध ....

रात को सोने से 3-4 घंटे पहले क्यों कर लेना चाहिए डिनर

कई लोगों की आदत होती है कि वे देर रात खाना खाते हैं और तुरंत सो जाते हैं। भरे पेट में नींद तो अच्छी आ जाती है, लेकिन यह आदत धीरे–धीरे शरीर पर बुरा असर डाल सकती है। विशेषज्ञों की मानें तो रात का खाना सोने से कम से कम तीन घंटे पहले कर लेना चाहिए। यह न सिर्फ पाचन में मदद करता है, बल्कि वजन कंट्रोल से लेकर अगले दिन की एनर्जी तक, हर चीज पर पॉजिटिव असर डालता है।

वजन रहेगा कंट्रोल में

अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो सिर्फ कम खाना या एक्सरसाइज करना ही काफी नहीं है कृ खाने का सही समय भी बेहद जरूरी है। रात को देर से खाना खाने से वसा (फैट) शरीर में जमा होने लगती है, जिससे वजन बढ़ सकता है। वहीं, सोने से 3 घंटे पहले खाना खाने से शरीर को भोजन पचाने का समय मिल जाता है, जिससे वजन कंट्रोल में रहता है। खाने के बाद हल्की सी वॉक (20–30 मिनट) करना और भी फायदेमंद रहता है।

अगली सुबह की शुरुआत होगी एनर्जेटिक

जब आप लेट नाइट डिनर करते हैं, तो अगली सुबह पेट भरा–भरा लगता है। इससे ब्रेकफास्ट करने की इच्छा कम हो जाती है या सही से भूख नहीं लगती कृ और ब्रेकफास्ट दिन की सबसे जरूरी मील होती है। जल्दी डिनर करने से पेट रात में अच्छे से साफ होता है और आप सुबह उठते ही खुद को हल्का और एक्टिव महसूस करते हैं।

आप खुद को महसूस करेंगे ज्यादा हेल्दी

जल्दी डिनर करने की आदत से आपकी डेली हेल्थ रूटीन भी सुधारती है। सुबह उठने पर आप वर्कआउट में ज्यादा एनर्जेटिक और फ्रेश फील करते हैं। इसका असर आपके पूरे दिन के खाने, मूड और एक्टिविटी लेवल पर भी पड़ता है। धीरे–धीरे यह आदत आपको अंदर से स्वस्थ और फिट महसूस कराती है।

पाचन तंत्र को मिलती है राहत

रात को शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। अगर आप बहुत देर से खाना खाते हैं और तुरंत लेट जाते हैं, तो खाना ठीक से हजम नहीं होता, जिससे एसिडिटी, गैस या कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन जल्दी डिनर करने से पाचन को समय मिलता है, जिससे डाइजेशन बेहतर होता है और पेट हल्का रहता है।

नींद भी होती है गहरी और बेहतर

भरा हुआ पेट कभी–कभी नींद को प्रभावित कर सकता है। भले ही शुरुआत में नींद जल्दी आ जाए, लेकिन पूरी रात शरीर भोजन को पचाने में लगा रहता है, जिससे नींद की क्वालिटी पर असर पड़ता है। जल्दी डिनर करने से शरीर को खाना पचाने का पूरा समय मिल जाता है और फिर नींद भी आती है गहरी और आरामदायक।

डिनर का समय हमारी सेहत पर सीधा असर डालता है। अगर आप चाहते हैं कि आप खुद को ज्यादा एनर्जेटिक, फिट और हेल्दी महसूस करें कृ तो आज से ही यह छोटी–सी आदत अपनाएं–

देर रात खाना खाने के हैं ये 4 बड़े नुकसान

वजन बढ़ने का खतरारू रात के समय शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। ऐसे में देर से खाया गया खाना आसानी से नहीं पचता और फैट के रूप में जमा होने लगता है। यह धीरे–धीरे वजन बढ़ाने का कारण बनता है।

बढ़ सकता है शुगर लेवल और डायबिटीज का खतरारू रिसर्च के अनुसार, रात 9 बजे या उसके बाद डिनर करने से अगले दिन सुबह ब्लड शुगर लेवल अधिक पाया गया। यह लंबे समय तक जारी रहे तो डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

एसिडिटी और सीने में जलनरू खाने के तुरंत बाद लेटने की आदत से पेट का एसिड गले तक पहुंच सकता है, जिससे सीने में जलन, खट्टी डकारें और गैस की समस्या हो जाती है। यह एसिड रिफ्लक्स का कारण बन सकता है। मिठाई खाने की आदत भी नुकसानदेहरू एक रिसर्च के अनुसार, लगभग 45: लोग रात में मिठाई खाना पसंद करते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए और भी खतरनाक है। देर रात मीठा खाने से ब्लड शुगर और फैट दोनों बढ़ सकते हैं। रात का खाना सोने से कम से कम 3दृ4 घंटे पहले खाएं। इस एक बदलाव से ही आप अपने शरीर में कई पॉजिटिव चेंजेस महसूस करेंगे।

खून की कमी के 5 खतरनाक संकेत, इन्हें हल्के में लेना पड़ सकता है भारी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित खानपान और तनाव भरे जीवनशैली के कारण बहुत से लोग खून की कमी (एनीमिया) का शिकार हो रहे हैं। आमतौर पर लोग खून की कमी को सिर्फ शरीर का पीला पड़ना मानते हैं, लेकिन इससे जुड़े और भी कई लक्षण होते हैं जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। अगर समय रहते इन संकेतों को पहचान लिया जाए, तो इससे होने वाली जटिलताओं से बचा जा सकता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि खून की कमी के वो 5 अहम लक्षण कौन–से हैं जिन्हें हल्के में नहीं लेना चाहिए, और इससे जुड़ी जरूरी बातें क्या हैं।

थकान और कमजोरी – हर समय थका–थका महसूस होना

खून की कमी होने पर शरीर की कोशिकाओं को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इसके कारण व्यक्ति को हमेशा थकावट महसूस होती है, भले ही वह अधिक मेहनत न करे। सुबह उठने के बाद भी सुस्ती लगना सीढ़ियां। चढ़ते ही सांस फूलना थोड़े काम में ही थक जाना। ये सभी संकेत हो सकते हैं कि आपके शरीर में आयरन या हेमोग्लोबिन की कमी है।

चक्कर आना और सिर दर्द – ऑक्सीजन की कमी का सीधा असर

खून की कमी के कारण जब मस्तिष्क तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचती, तो व्यक्ति को अक्सर चक्कर आने लगते हैं। इसके साथ ही सिरदर्द भी बना रहता है। अचानक खड़े होने पर चक्कर आ जाना। सिर में भारीपन महसूस होना। ध्यान केंद्रित न कर पाना। अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो यह संकेत हो सकता है कि खून की मात्रा कम हो रही है।

दिल की धड़कन का तेज होना – हृदय पर बढ़ता है दबाव

जब शरीर में खून की कमी होती है, तो दिल को अधिक मेहनत करनी पड़ती है ताकि शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचा सके। इससे दिल की धड़कन तेज हो सकती है। बिना कारण हृदय की गति का बढ़ जाना। हल्की गतिविधि में भी सीने में घबराहट होना। सोते समय भी धड़कन महसूस होना। ये संकेत दर्शाते हैं कि शरीर में आयरन की कमी हो सकती है।

त्वचा और नाखूनों का रंग बदलना – पीला या फीका पड़ना

हालांकि त्वचा का पीला पड़ना खून की कमी का सबसे आम लक्षण है, लेकिन इसके अलावा नाखूनों और होंठों का रंग भी बदल सकता है। होंठ नीले या सफेद पड़ना। नाखूनों का सफेद और भंगुर होना। आंखों के नीचे काले घेरे और पीलापन। ये लक्षण यह दिखाते हैं कि आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल रहे।

ये भी पढ़ेंरू दिल का हाल बयां करती हैं आंखें, इन 4 संकेतों को न करें इग्नोर

सांस लेने में तकलीफ– थोड़े चलने पर भी लगे दम फूलने जैसा

खून की कमी से शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई घट जाती है, जिससे फेफड़े ज्यादा मेहनत करने लगते हैं और सांस लेने में कठिनाई होने लगती है। हल्का वॉक करते ही सांस फूलना। बात करते–करते थक जाना। गहरी सांस लेने में तकलीफ। यदि यह परेशानी बार–बार हो रही है, तो डॉक्टर से चेकअप जरूर करवाना चाहिए।

खून की कमी क्यों होती है? (कारण)

आयरन, फोलिक एसिड या विटामिन ठ12 की कमी

अनियमित और पौष्टिकता से रहित भोजन

महिलाओं में भारी मासिक धर्म

आंतों में खून की कमी या कोई बीमारी

प्रेग्नेंसी के दौरान पोषण की कमी

क्या करें?

अगर आपको ऊपर बताए गए लक्षण नजर आ रहे हैं, तो घबराएं नहीं। समय रहते इलाज और सुधार करने से खून की कमी को ठीक किया जा सकता है।

आयरन युक्त भोजन खाएं – पालक, चुकंदर, अनार, सेब, दालें

विटामिन C लें – यह आयरन के अवशोषण में मदद करता है

नियमित जांच करवाएं– हेमोग्लोबिन लेवल चेक कराते रहें,डॉक्टर की सलाह पर आयरन की गोलियां या सिरप लें

ज्यादा पानी पिएं और तनाव कम करें

खून की कमी एक आम लेकिन गंभीर समस्या है, जिसे अगर समय पर पहचाना और सुधारा जाए तो यह आसानी से ठीक हो सकती है। सिर्फ चेहरे का रंग देखकर अंदाजा लगाना काफी नहीं होता। ऊपर बताए गए लक्षणों को नजरअंदाज ना करें, और जरूरत पड़ने पर जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करें।

स्वस्थ शरीर और तेज दिमाग के लिए खून की मात्रा का सही होना बेहद जरूरी है।

करीना कपूर की साड़ी में दिखा शाही अंदाज, लोग बोले – फिर से हो गई जवान!

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री करीना कपूर जब भी किसी इवेंट में जाती हैं, तो सिर्फ अपनी बातों से नहीं, बल्कि अपने स्टाइल से भी सबका ध्यान खींच लेती हैं। हाल ही में वह वेव समिट 2025 में पहुंचीं, जहां उन्होंने अपनी खूबसूरत साड़ी और शाही लुक से सबका दिल जीत लिया।

फूलों वाली साड़ी में करीना का नवाबी अंदाज

इस इवेंट के लिए करीना ने ब्रांड की एक खास फ्रेंच शिफॉन साड़ी पहनी थी, जिसकी कीमत 26,500 है। इस साड़ी पर खूबसूरत फ्लोरल प्रिंट बना हुआ था, जिसमें पीकॉक ब्लू, रूबी रेड, एमरल्ड ग्रीन और पिंक जैसे रंग शामिल थे। उन्होंने इसे पारंपरिक तरीके से ओपन पल्लू के साथ पहना, जिससे उनका लुक और भी निखरकर सामने आया।

सिंपल ब्लाउज ने बढ़ाई खूबसूरती

करीना ने इस साड़ी के साथ एक प्लेन स्लीवलेस ब्लाउज पहना, जिसमें डीप वी नेकलाइन थी। यह ब्लाउज बहुत ही सिंपल था, लेकिन इसी सादगी ने उनके पूरे लुक को और भी एलिगेंट बना दिया।

मिनिमल जूलरी में भी दिखी क्लास

स्टाइलिस्ट लक्ष्मी नयार ने करीना को बहुत ही सलीके से स्टाइल किया। उन्होंने करीना को भारी जूलरी पहनाने की जगह सिर्फ पर्ल स्टड ईयररिंग्स पहनाए, जो कि अनायम फाइन ज्वेल्स से थे। इससे साड़ी की खूबसूरती और ज्यादा उभरकर सामने आई।

महंगी घड़ी ने खींचा सबका ध्यान

करीना ने अपने इस लुक में एक घड़ी भी पहनी, जो दिखने में तो सिंपल थी, लेकिन उसकी कीमत जानकर लोग हैरान रह गए। वह घड़ी थी वॉच, जिसकी कीमत करीब ₹14.8 लाख रुपये है। रोज गोल्ड डायल और ब्लैक स्ट्रैप वाली इस घड़ी ने उनके पूरे लुक में रॉयल टच जोड़ दिया।

इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस की बैठक मे पत्रकारों से संबंधित समस्याओं पर हुआ मंथन

अयोध्या इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस अयोध्या इकाई की बैठक प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव के निर्देश से कम में जिला अध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर सभी पदाधिकारी को उनका परिचय पत्र दिया गया।बैठक कई मुद्दों पर गहन चिंतन किया गया साथ ही साथ पत्रकारों की समस्याओं एवं सुरक्षा संबंधित एवं आयुष्मान कार्ड को लेकर भी चर्चा की गई अयोध्या सांसद एवं अयोध्या विधायक से मिलकर एक प्रतिनिधि मंडल मिलकर पत्रकारों के आयुष्मान कार्ड को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा, प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं को लेकर संघर्ष जारी रहेगा।जिन पदाधिकारियों का कार्ड नहीं मिला उन सभी को शीघ्र आई कार्ड वितरण किया जाएगा,दूसरी तरफ जिला अध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर शासन तक आवाज उठाने का कार्य किया जाएगा।इस बैठक में प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव,जिलाध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव, राजेंद्र कुमार दुबे राजू, ज्ञानेंद्र मिश्रा,राजेश श्रीवास्तव,कुशल चंद्र मिश्रा, वैभव श्रीवास्तव के साथ सभी सदस्य मौजूद रहे।

स्वाबलंबन का आशय है नौकरी मांगने वाले बनने के बजाय देने वाले बनें सुजाता बहन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

शाहजहांपुर। रोजा पावर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड एवं विनोबा सेवा आश्रम के संयुक्त प्रयास से आरम्भ किये गये स्वावलम्बन कार्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चौथे एवं पांचवे बैच के 181 प्रशिक्षणार्थियों की आशातीत सफलता के बाद आज षष्ठम बैच का शुभारम्भ गांव दिलावरपुर देवकली में स्थित स्वावलंबन केन्द्र में किया गया। पूर्व की भांति इस बार भी परियोजना प्रभावित गांव से 30 लाभार्थियों का चयन राजमिस्त्री एंव प्लम्बर प्रशिक्षण के लिए किया गया ताकि वे प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार को अपनाकर आय अर्जित कर सकें। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार बैंक से ऋण दिलाने में भी सहयोग किया जाता है। विदित हो कि अधिकांश लाभार्थी आज अपने उद्यम स्थापित कर जीविकोपार्जन कर रहे हैं। कार्यक्रम का उदघाटन जिला उद्योग केंद्र की सहायक प्रबंधक सुजाता बहन ने करते हुए कहा कि स्वावलंबी होना सुखद जीवन के लिए बहुत आवश्यक है जो व्यक्ति स्वावलम्बन से जुड़ेगा कभी दुखी नही रहेगा। अपने विभाग की प्रशिक्षण प्राप्त कर उद्योग स्थापित कर लोगों को स्वावलम्बी बनाने की सरकार की अनेक सुंदर योजनाओं के बारे में बहुत अच्छे प्रकार से समझाया और कहा हमारे विभाग की ओर से हर सम्भव युवा मित्रों की मदद की जायेगी। अग्रणी जिला बैंक प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा के आर.आर. तिवारी ने कहा कि स्वावलंबन का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर और कुशल बनाना है, और हमें विश्वास है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इस उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि प्रशिक्षु इस प्रशिक्षण से अधिकतम लाभ उठाएंगे। विनोबा सेवा आश्रम के संस्थापक रमेश भइया ने कहा कि स्वावलम्बन केन्द्र के उददेश्य को मूर्त रूप देने के लिए गांधी विनोबा के आदर्श एवं सिद्वान्तों को अपनाकर गांव–गांव में कुशल उद्यमी बनाकर उन्हे स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके लिए युवा साथियों को भी परिश्रम करने के साथ साथ इच्छा शक्ति दिखाने की जरूरत है। रोजा पावर के सीएसआर प्रमुख कुमार अवनीश ने कहा आज मैं राजमिस्त्री और प्लंबर प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित होकर बहुत प्रसन्न हूं। यह कार्यक्रम न केवल युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उनके लिए आय के नए स्रोत भी

उपलब्ध कराने में मददगार होगा। वनोबा सेवा आश्रम के सचिव मोहित कुमार ने स्वावलंबन केन्द्र की पूर्व प्रगति पर चर्चा की तथा नये सत्र का विषय प्रवेश कराया और सभी ट्रेडों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विनोबा सेवा आश्रम के पर्यवेक्षक जेडी अग्निहोत्री ने किया। सभी को धन्यवाद प्रशिक्षण समन्वयक अखलाक खान ने दिया। समन्वयक श्री अरूण सिंह, अशोक सिंह, बहन मृदुललता गुप्ता, विजय बहादुर सिंह, कार्यालय लेखाकार प्रियांशू सक्सेना पैथोलॉजी मोबाइल वैन के फिजिशियन संतोष भाई, पप्पू भाई, बाबूराम, विकास, आदेश कुमार सहित क्षेत्रीय लाभार्थी उपस्थित रहे। ग्राम प्रधान दिलावरपुर ने सभी का स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

डीसीएम से भिड़ी कार, एक की मौत... पांच साथी घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में शुक्रवार की देर रात भीषण हादसा हो गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि पांच साथी घायल हो गए। ये सभी लोग दोस्त की शादी की पार्टी मनाने के लिए निकले थे। रास्ते में हादसा हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसा हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र के बछरावां मार्ग पर पोखरा गांव के पास हुआ। यहां डीसीएम चालक गाड़ी बैक कर रहा था। इसी समय कार उसमें पीछे से टकरा गई। हादसे में पोखरा गांव निवासी राजनाथ (23) पुत्र अनिल बारी की मौत हो गई। जबकि प्रदीप मौर्या, हिमांशु, बृजेश मौर्य और रोहित समेत पांच लोग घायल हो गए। प्रदीप को लखनऊ कैंट स्थित अस्पताल एवं अन्य घायलों को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि राजनाथ गांव में फोटो स्टूडियो चलाता था। इसके साथ ही चीनी मिल में वाहन चालक के तौर पर भी काम करता था। ये सभी लोग गांव के ही फौजी साथी प्रदीप मौर्या की शादी की पार्टी मनाने निकले थे। ढाबे में खाना खाने जा रहे थे। कोतवाल अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। डीसीएम वाहन को कब्जे में लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

साले की शादी में ससुराल आए युवक की हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बलरामपुर में शुक्रवार की रात ससुराल आए युवक की हत्या कर दी गई। उसकी लाश गांव के बाहर खेत पर पड़ी मिली। लोगों ने देखा तो ग्रामीणों को सूचना दी। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। घरवाले भी रोते–बिलखते पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना महराजगंज तराई थाना क्षेत्र के जुगली कला गांव की है। यहां रात करीब 11 गांव के बाहर लोगों ने खेत में हरिश्चंद्र वर्मा (25) का शव पड़ा देखा। हरिश्चचंद्र मूल रूप से गोंडा जिले के खरगूपुर थाना क्षेत्र के देवरहना गांव का रहने वाला था। जुगली कला गांव में उसकी ससुराल थी। वह साले की शादी में शामिल होने के लिए पहुंचा था। मामा राज किशोर वर्मा ने बताया कि हरिश्चंद्र अपनी पत्नी को लेकर वापस घर निकलने वाला था। इससे पहले ही उसकी हत्या कर दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

सजायाफ्ता दुष्कर्मी को दुबारा दुष्कर्म करने पर उम्र कैद जमानत पर छूटते ही फिर किया बलात्कार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, ।अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय (पाक्सो) उमेश कुमार की अदालत ने शुक्रवार को दुष्कर्म के मामले में सजा पाए हुए युवक द्वारा पुनः दुष्कर्म करने के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास व 50000 रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार सुजानगंज थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने थाने में अभियोग पंजीकृत करवाया कि दिनांक 5 नवंबर 2020 को रात 12रू30 बजे आरोपी राहुल कुमार यादव ने उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला–फुसलाकर भगा ले गया और उसके साथ कई बार बलात्कार किया। पुत्री घर वापस आकर सारी घटना की जानकारी दी। पीड़िता ने न्यायालय में अपने बयान में कहा कि राहुल उसे फोन करके बगीचे में बुलाया था और उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया था। फिर अपने घर बुलाकर शारीरिक संबंध बनाया और उसके ननिहाल ले जाकर छोड़ दिया। इस मामले में आरोपी गिरफ्तार हुआ और जमानत पर छूटा। जमानत पर छूटते ही उसने एक अन्य नाबालिग लड़की से पुनः दुष्कर्म किया जिस मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने उसे 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा भी सुनाई थी। शुक्रवार को अदालत ने दुष्कर्मी के आपराधिक इतिहास को देखते हुए अभ्यस्त अपराधी मानते हुए उसे आजीवन कारावास व 50000 रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन पक्ष की पैरवी शासकीय अधिवक्ता राजेश कुमार उपाध्याय व कमलेश कुमार राय ने किया।

खाद्य सुरक्षा टीम ने बिना लाइसेंस डेयरी बंद कर 175 किलो दूषित मिठाई किया नष्ट

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।जिले की खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बीकापुर और अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में मिठाई की कई दुकानों और डेयरी इकाइयों पर छापेमारी की। टीम ने 88.5 किलो माल जब्त किया और 175 किलो दूषित मिठाइयों को नष्ट करवाया ।मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित प्रकाश वर्मा के नेतृत्व में टीम ने बीकापुर के ग्राम तेंदुआमाफी में वैष्णवी डेयरी की जांच की ।टीम ने यहां से पनीर, मावा, बूंदी और सॉस के नमूने लिए ।हानिकारक रंग मिलाए जाने की आशंका में 14.5 किलो बूंदी और 50 लीटर सॉस जब्त किया गया ।वही एक अन्य खाद्य प्रतिष्ठान में जांच के दौरान खराब मिठाइयां मिलीं ।टीम ने 6 किलो सोनपापड़ी, 150 किलो छेना मिठाई और 20 किलो मावा को नष्ट करवाया। अयोध्या के ककरही बाजार में एक डेयरी से दूध और दही के नमूने लिए गए ।यह डेयरी बिना खाद्य लाइसेंस के चल रही थी ।जिसे तुरंत बंद करवा दिया गया।

किशोर का अपहरण कर उठा ले गये बाइक सवार,पुलिस ने मौके पर जाकर छुड़ाया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना अंतर्गत शुक्रवार रात कस्बे के एक कोचिंग सेंटर से पढ़ कर लौट रहे 17 वर्षीय किशोर को दर्जन भर से ज्यादा बाइक सवार दबंग उठा ले गए। ।सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गयी ।वहां से छात्र को छुड़वाया ।दो लोगों को हिरासत में भी ले लिया। क्षेत्र के मिसिरपुर गांव निवासी अरुण कुमार पुत्र ज्ञान कुमार कस्बे के एक कॉलेज में पढ़ता है। शुक्रवार वह देर शाम को कस्बे में ही एक कोचिंग संस्थान में पढ़ने आया था ।कोचिंग के बाद जब वह जा रहा था तभी समोपुर गांव के कुछ लोग बाइक से पहुंच गए ।उन लोगो ने अरुण को जबरदस्ती बाइक पर बैठा लिया ।उसे अपने घर समोपुर ले गए। वहां पर उन लोगों ने अरुण कुमार को मारा पीटा ।घटना की जानकारी छात्र के पिता ज्ञानप्रकाश को मिली ।वह फास्टकोर्ट के जज के ऑफिस में चतुर्थ श्रेणी के पद पर कार्यरत है ।उसने घटना की जानकारी पुलिस को दिया ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस समोपुर गांव पहुंच गयी ।जहा से छात्र को छुड़ाया गया।

संक्षिप्त समाचार

असंल के ठिकानों पर ईडी का छापा, मोबाइल खंगालने पर मिलीं चौंकाने वाली जानकारियां

लखनऊ, (संवाददाता)। सैंकड़ों निवेशकों की गाढ़ी कमाई को हड़पने वाली रीयल एस्टेट कंपनी अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (अंसल एपीआई) के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों में 217.80 करोड़ रुपये की 62 संपत्तियों का पता चला है, जो कंपनी के प्रमोटर निदेशक प्रणव अंसल उनके परिवार के सदस्यों और संबंधित संस्थाओं के नाम पर खरीदी गई हैं। इसकी जानकारी प्रणव अंसल के जब्त मोबाइल को खंगालने से मिली है। वहीं 174 सहयोगी कंपनियों का भी पता चला है, जिनके जरिये निवेशकों के करोड़ों रुपये डायवर्ट किए जाने के प्रमाण भी मिले हैं। बता दें कि ईडी, लखनऊ जोनल कार्यालय की टीमों ने बुधवार को अंसल एपीआई के दिल्ली, लखनऊ और गाजियाबाद के 8 ठिकानों पर छापा मारा था, जो बृहस्पतिवार देर रात खत्म हो गए। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक यूपी, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में दर्ज 100 से अधिक एफआईआर के आधार पर अंसल एपीआई और उसके वरिष्ठ प्रबंधन के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत छापे मारे गए थे। इस दौरान प्रणव अंसल (प्रमोटर निदेशक), दीपक मोवर (निदेशक) अन्य वरिष्ठ कर्मचारियों के आवास और अंसल एपीआई के कॉर्पोरेट कार्यालयों को खंगाला गया। जांच में पता चला कि खरीदारों के पैसे का एक बड़ा हिस्सा डायवर्ट करके गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। कई बार समन भेजे जाने के बावजूद वरिष्ठ प्रबंधन ने जांच में सहयोग नहीं किया और वित्तीय और निवेशकों से जुड़े दस्तावेज नहीं सौंपे। छापे में कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए। इनमें वित्तीय विवरण, अंसल समूह की परियोजनाओं आदि की जानकारी है। अंसल एपीआई के खिलाफ दर्ज मुकदमों में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और घर खरीदारों को धोखा देने का आरोप लगाया गया है। एफआईआर में सामूहिक रूप से 135.51 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी अंजाम देने की शिकायत की गई है। निवेशकों और घर खरीदने वालों को ऐसी परियोजनाओं में फंसाया गया जो या तो कभी पूरी नहीं हुईं या कभी सौंपी ही नहीं गईं। उनसे जुटाई गई धनराशि को हड़प लिया गया।

यूट्यूबर ने फैलाया भ्रम, योग शिक्षिका की टूटी शादी

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना निवासी एक निजी संस्थान के संचालक ने थाने में यूट्यूबर तथाकथित स्वामी निग्राहाचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी पर संस्थान की हरिद्वार शाखा में कार्यरत योग शिक्षिका के खिलाफ वीडियो के जरिये भ्रामक बातें फैलाने का आरोप है। इस कारण योग शिक्षिका की शादी टूट गई। संचालक के मुताबिक वह अपने यूट्यूब चौनल पर धर्म, अध्यात्म व सामाजिक गतिविधियों पर विभिन्न प्रकार के अनुभवी लोगों से चर्चा करते हैं। आरोप है कि कुछ दिन पहले स्वामी निग्रहाचार्य ने अपने चौनल पर एक वीडियो डाला। वीडियो में स्वामी उनकी संस्था में कार्यरत योग शिक्षिका पर अपमानजनक टिप्पणी कर रहे थे। उन्होंने वीडियो में कहा कि योग शिक्षिका कई सनातन विरोधी विदेशी संगठनों के साथ जुड़ी है। स्वामी के वीडियो डालने पर लोग सोशल मीडिया पर योग शिक्षिका पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। आरोपी यूट्यूबर उनकी शिक्षिका के खिलाफ 55 हजार रुपये की वसूली की भी अफवाह फैला रहा है। संस्थान के संचालक ने आशियाना पुलिस से शिकायत की है।

राजभर समाज का सम्मान सपा में ही सुरक्षित : अखिलेश

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार को आंबेडकर जी की प्रतिमा तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा के लोग ही आंबेडकर की प्रतिमाएं तोड़ रहे हैं इसलिए वो कार्रवाई किस पर करें। यह जवाब उन्होंने प्रदेश के कई जिलों में आंबेडकर प्रतिमाएं तोड़े जाने के सवाल पर दिया। अखिलेश यादव शुक्रवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) ने भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को खत्म कर दिया है। इसलिए अब भाजपा नफरती राजनीति पर उतर आई है। भाजपा का वोट कम हो रहा है। लोग महंगाई और बेरोजगारी के सवालों को उठा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि मदरसों को अवैध बताकर बंद किया जा रहा है। अगर वो अवैध हैं या अवैध जमीन पर बने हैं तो पहले क्यों नहीं रोका गया। अगर नक्शा पास नहीं करवाया गया तो उसकी भी व्यवस्था है लेकिन भाजपा अपने वोट बैंक को बचाने के लिए अब नफरत की राजनीति कर रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि गरीबों, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों के साथ हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है।गरीबों को सरकारी योजनाओं का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अवैध निर्माण भाजपा के लोगों ने किया है। जनता बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार पर भाजपा से सवाल पूछ रही है। भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति खत्म हो रही है। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव 2027 में पीडीए भाजपा को हवा में उड़ा देगा। सपा

जनता को भरोसा दिलाता हूं कि समाजवादी सरकार में जिस तरह फोन करने पर एंबुलेंस और पुलिस आती थी, उसी तरह 2027 में सपा सरकार बनने पर अधिकारी जनता के पास सुनवाई करेगा। सपा प्रदेश मुख्यालय पर शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश ने कहा कि सपा और इंडिया गठबंधन ने जब से भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति का अंत किया है, तब से वह घबराई हुई है। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश में सबसे ज्यादा मुख्यालय में सुहेलदेव सम्मान स्वाभिमान पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र राजभर के साथ अखिलेश ने कहा कि सपा में सभी को सम्मान मिलता है। राजभर समाज का सम्मान सपा में ही सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि 2027 में सपा सरकार बनने पर गोमती रिवर फ्रंट पर वीर योद्धा महाराजा सुहेलदेव की मूर्ति लगवाई जाएगी।

आयुष्मान मरीजों की होगी गोपनी जांच, मनमानी मिली तो निरस्त होगा लाइसेंस

लखनऊ, (संवाददाता)। निजी अस्पताल अब आयुष्मान मरीजों के नाम पर मनमानी बिलिंग नहीं कर पाएंगे। इसके लिए गोपनीय जांच टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें जिलेवार औचक निरीक्षण करेंगी। खासतौर से इंटेसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भर्ती मरीजों की स्थिति देखेंगी। सामान्य मरीज को आईसीयू में भर्ती करने और मनमाने तरीके से दवा देने के प्रमाण मिले तो संबंधित अस्पताल की संबद्धता समाप्त की जाएगी। साथ ही उसका लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई भी शुरू होगी। प्रदेश में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान) के करीब आठ करोड़ और पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के 15 लाख लाभार्थी हैं। इन्हें योजना से जुड़े 2949 सरकारी और 2885 निजी अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक निशुल्क इलाज की सुविधा मिलती है। योजना के तहत लाभार्थियों को सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं भी दी जाती हैं। मरीजों के उपचार के बाद संबंधित अस्पताल खर्च का भुगतान करने के लिए स्टेट एजेंसी फॉर कंप्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड

सर्विसेज (साचीज) को बिल भेजते हैं। पिछले दिनों जांच के दौरान कई अस्पतालों द्वारा बिलों में गड़बड़ी सामने आई। पाया गया कि जिस मरीज को आईसीयू में भर्ती ही नहीं किया गया, उसके बिल में आईसीयू का खर्च भी जोड़ दिया गया है। इसी तरह जिन मरीजों को आईसीयू की जरूरत ही नहीं थी, उन्हें भी आईसीयू में रखा गया। कुछ मरीजों को अलग–अलग नाम की कई मल्टीविटामिन सहित अन्य दवाओं को भी देने की रिपोर्ट भेजी गई। जबकि संबंधित मरीज को उन दवाओं की जरूरत ही नहीं थी। इन सभी प्रकरणों को देखते हुए अब साचीज की ओर से औचक निरीक्षण की रणनीति बनाई गई है। इसके लिए मंडलवार टीमें गठित की गई हैं। इनको घंटेभर पहले अस्पताल का नाम और वहां भर्ती मरीज के नाम दिए जाएंगे। यह टीम मौके पर पहुंच कर पूरी स्थिति की जांच करेगी। जांच टीम में अलग–अलग विधा के चिकित्सा विशेषज्ञ भी शामिल किए गए हैं। टीम की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित अस्पताल के बिल का भुगतान होगा। साथ ही मनमानी पकड़ में आने पर संबंधित अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विभागीय सूत्रों की मानें तो करीब तीन माह पहले बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। विभिन्न आरोपों में 410 अस्पतालों की संबद्धता खत्म की गई है। मार्च और अप्रैल माह में भी करीब आधा दर्जन अस्पतालों के बिल में गड़बड़ी पाई गई है।

बरीक्षा से पहले फंदे से लटकते मिला युवक का शव

लखनऊ, (संवाददाता)। इब्राहिमपुर इलाके में शुक्रवार की देर शाम युवक का शव संदिग्ध हालात में फंदे से लटकता मिला, जबकि उसकी मंगेतर घायल हालत में मिली। उसके गले पर धारदार हथियार से रेतने के निशान हैं। घटना की जानकारी लगते ही परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आनन–फानन में पुलिस को सूचना देकर युवती को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया। एसपी समेत तमाम अधिकारी घटनास्थल पर छानबीन में जुटे हुए हैं। इब्राहिमपुर क्षेत्र के ग्राम अमीनपुर (पुरौव्वा) अनूसूचित बस्ती की प्रतिभा की शादी अहिरौली के चांदपुर निवासी अभिषेक (24) वर्ष के साथ तय हुई थी। आगामी 18 मई को दोनों की बरीक्षा का कार्यक्रम होना था। चार–पांच महीने से फोन पर दोनों एक दूसरे से बात करते थे। अभिषेक अहमदाबाद गुजरात में रहकर नौकरी करता था। बताया जा रहा है कि बरीक्षा के लिए पांच दिन पहले ही वह गांव आया था। शुक्रवार को वह युवती से मिलने के लिए उसके घर गया था। दोनों एक कमरे में बैठ कर बात कर रहे थे। कुछ देर बाद सिसकियां सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो पाया कि युवक का शव फंदे से लटक रहा था और युवती का गला रेता गया था। यह नजारा देखकर परिवार के लोगों के होश उड़ गए। शोर सुनकर तमाम ग्रामीण पहुंच गए। आनन–फानन पुलिस को सूचना देकर युवती को जिला अस्पताल भेजा गया। प्रतिभा के भाई के अनुसार शादी तय होने के बाद से दोनों के मध्य फोन पर अक्सर लड़ाइयां हुआ करती थीं। युवक को शक था कि युवती का किसी और से प्रेम प्रसंग चल रहा है। इसी बात पर शुक्रवार को भी कहासुनी हुई थी। घटना कैसे हुई, इसका पता नहीं लगा है। एसपी केशव कुमार, सीओ टांडा शुभम कुमार, थाना प्रभारी रितेश पांडेय घटनास्थल पर पहुंचे।

पहलगाम मुद्दे पर राबर्ट वाड्रा की टिप्पणियों पर दाखिल याचिका हाईकोर्ट ने की निस्तारित

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा के खिलाफ पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मामले में दिए गए कथित विवादित बयान को लेकर दाखिल याचिका को निस्तारित कर याचियों को समुचित फोरम को अप्रोच करने की छूट दी है। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस और अन्य द्वारा दाखिल याचिका केंद्र सरकार को मामले में विशेष जांच दल(एसआईटी) गठित करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया था। याचियों ने भारतीय न्याय संहिता के तहत भी वाड्रा पर करवाई किए जाने का भी आग्रह किया था। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ल की खंडपीठ ने याचिका पर सुनवाई कर यह आदेश दिया। याचियों की अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री ने बताया कि कोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर मामले में याचियों को अपनी मांगों को लेकर दीवानी या आपराधिक कार्यवाही समुचित फोरम के समक्ष चलाने की छूट प्रदान की है । अधिवक्ता अग्निहोत्री ने आरोप लगाया था कि वाड्रा ने मीडिया में पहलगाम जैसे मामले में कथित रूप से हिंदू विरोधी बयान दिया था। जिसको लेकर केंद्र व राज्य सरकार को उनके खिलाफ कारवाई किए जाने के निर्देश देने का आग्रह किया था। उधर, सुनवाई के समय राज्य सरकार की ओर से मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह और केंद्र के अधिवक्ता पेश हुए। कोर्ट ने सुनवाई के बाद याचियों को छूट देकर याचिका निस्तारित कर दी। अधिवक्ता अग्निहोत्री ने कहा कि वह इस आदेश की प्रमाणित कॉपी लेने के बाद मामले में आपराधिक शिकायत दर्ज कराएंगी।

25 हजार का ईनामी अपराधी लक्ष्मण गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जलालपुर थाना अंतर्गत पूर्वांचल के कुख्यात अपराधी गौ तस्कर को जलालपुर थाना पुलिस ने रविवार को हल्की मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जिले की पुलिस के लिए वांटेड बने इस अपराधी पर 25 हजार का ईनाम घोषित है। कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहे इस अपराधी की गिरफ्तारी के लिए जौनपुर पुलिस काफी लंबे समय से सुरागरशी कर रही थी। पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन में जलालपुर थाना पुलिस ने रविवार को 25 हजार के एक इनामी अपराधी को हौज टोल प्लाजा मोड़ के पास संदिग्ध हालत में घूमते हुए घेराबंदी कर पकड़ लिया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उक्त स्थान पर घेराबंदी कर आरोपी के तलाश में जुटी हुई थी लेकिन जब उसे यह पता चला कि गिरफ्तार अभियुक्त ध्25 हजार का कुख्यात इनामी गौ तस्कर है। तो पुलिस की बांछे खिल गई। खुद पुलिस को अपनी इस सफलता पर भरोसा नहीं था। क्योंकि गैंगस्टर में पाबंद रहे इस कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए कई थाने की पुलिस लंबे समय से कार्य कर रही थी। फिर भी यह अपराधी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ रहा था। इस संबंध में जलालपुर थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह ने मीडिया को बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान लक्ष्मण बिन्द पुत्रवनिरंजन निवासी ग्राम छेवरी थाना रामगढ़ जनपद कैमूर बिहार के रूप में हुई है। इसके खिलाफ जलालपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2023 में गोवध निवारण अधिनियम व पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। पिछले वर्ष 2024 में जलालपुर थाना पुलिस ने इस कुख्यात अपराधी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी मुकदमा पंजीकृत किया था। लेकिन पुलिस की आंख में धूल झोंक कर पूर्वांचल का यह कुख्यात इनामी अपराधी गो तस्करी गिरोह में शामिल होकर लंबे समय से गाय, बछड़ा व बैल आदि को ट्रक और चार पहिया वाहनों में भरकर पश्चिम बंगाल के पांडुआ बध शाला में कटने हेतु भेजने में लगा हुआ था । पशु पालकों के दरवाजे पर बंधे जानवर को बड़े ही आसानी से खोलना फिर उन सभी पशुओं को बड़े–बड़े स्लॉटर हाउस में काटने के लिए भेजे जाने वाले बड़े नेटवर्क में शामिल रहा है।

अवैध रूप से संचालित शिक्षण संस्थाओं पर शिकंजा कसने के लिए जांच समिति का हुआ गठन

अयोध्या ।शिक्षा विभाग ने जिले में अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों,स्कूल कॉलेजों पर शिकंजा कसने के लिए डीआईओएस डॉ पवन तिवारी तथा बीएसए संतोष कुमार राय ने जांच समिति गठित किया है ।जिसमें सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे के अलावा सभी विकास खंडो के खंड शिक्षा अधिकारियों को शामिल किया गया है ।जांच समिति मे शामिल संचालित सदस्य ऐसे कोचिंग, स्कूल व कालेज जो गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों एवं अवैध रूप से बिना पंजीकरण के संचालित है उन कोचिंग संस्थाओं, स्कूल कॉलेज का गहन निरीक्षण कर इसकी रिपोर्ट कार्यवाही के लिए उच्च अधिकारियों तक सौंपेंगे। देखना यह है कि हमेशा की तरह शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा इस जाट समिति का गठन मैं या जुलाई में होता है क्योंकि इस समय उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं का कोचिंग में प्रवेश के साथ–साथ प्रतियोगी परीक्षार्थी भी शहर के नामी ग्रामीण कोचिंग संस्थानों में अपना दाखिला लेते हैं ।हर वर्ष इस तरह के अवैध कोचिंग संस्थानों तथा स्कूल कॉलेज पर शिकंजा कसने के लिए जांच समिति का गठित होती है लेकिन नतीजा वही रहता है। देखा जाए तो पिछले साल भी डेढ़ दर्जन कोचिंगों का पंजीकरण जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में हुआ था ।आज भी कुल लगभग 15 कोचिंग ही मात्र जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में पंजीकृ त हैं ।इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी ने बताया जिले में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मात्र 15 कोचिंग ही कार्यालय में पंजीकृत है ।बताया कि इसी तरह कई ऐसे स्कूल कॉलेजों की शिकायत कार्यालय में मिल रही है जहां पर मान्यता के विपरीत बच्चों का पंजीकरण कराया जा रहा है ।इन सब पर अंकुश लगाने के लिए जांच समिति का गठन किया गया है ।जिसमें सह जिला विद्यालय निरीक्षक के अलावा सभी विकास खंड के खंड शिक्षा अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में भ्रमणशील होकर इस तरह के अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों के साथ–साथ स्कूल कॉलेज का निरीक्षण कर दोषी पाए जाने वाले संचालक को तथा प्रबंध को पर कार्यवाही करने के लिए उच्च अधिकारियों को अवगत कराएंगे।

अमित मौर्य विश्व हिंदू रक्षा परिषद के बने जिलाध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के निर्देशानुसार अमित मौर्य श्अखंडश को युवा मोर्चा, जौनपुर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है, जिससे जौनपुर में संगठनात्मक कार्यों को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अमित मौर्य को बधाई दी और उनके

उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। संगठन ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में युवा वर्ग और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा। अमित मौर्य ने कहा विश्व हिंदू रक्षा परिषद का मुख्य उद्देश्य हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा करना, और हिंदू एकता को मजबूत करना है और सनातन धर्म को आगे बढ़ना।

नीट परीक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, 17 केंद्रों पर हो रही परीक्षा ,7560 परीक्षार्थी शामिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) 2025 को लेकर इस बार शासन पूरी तरह सख्त रुख अपनाए हुए है। जिले में रविवार को आयोजित परीक्षा के लिए कुल 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर 7560 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। परीक्षा में सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में शासन स्तर से दो–दो अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। परीक्षार्थियों को केंद्र में सुबह 11रू30 बजे से प्रवेश दिया जा रहा है। इस दौरान उनका बायोमेट्रिक सत्यापन और फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाएगा, जो लगभग तीन घंटे चलेगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 5 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जबकि तिलकधारी महाविद्यालय परिसर में 8 केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा राजा श्रीकृष्ण दत्त पीजी कॉलेज, जनक कुमारी इंटर कॉलेज, ग्रामोदय इंटर कॉलेज तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज को भी परीक्षा केंद्र के रूप में चयनित किया गया है। परीक्षा की निगरानी के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है, जिसमें जिलाधिकारी (DM), पुलिस अधीक्षक (SP), नवोदय विद्यालय के प्राचार्य (जो नोडल अधिकारी भी हैं), जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। नोडल अधिकारी एवं नवोदय विद्यालय के प्राचार्य बालकृष्ण ने बताया कि परीक्षा के दौरान प्रत्येक अभ्यर्थी पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और सभी केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षार्थियों की पहचान पूरी तरह सुनिश्चित की जाए।

इस मामले में मामले में बात करते हुए तिलकधारी महाविद्यालय के प्राचार्य ध्सेंटर सुपरिटेंडेंट राम आसरे सिंह ने बताया कि आज की परीक्षा के लिए तैयारी पहले से ही कर ली गई थी सभी का कक्ष निरक्षको को पहले ही बकायादा इसके बारे में जानकारी दे दी गई थी। आज सभी निरीक्षक अपने–अपने काम पर लगे हुए हैं .सुरक्षा के भी कड़े व्यवस्था किया गया है। बच्चों को चेकिंग के बाद ही अंदर प्रवेश दिया जा रहा है छात्र–छात्राओं को कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अंदर नहीं लड़ने दिया जा रहा है यहां तक कि उन्हें पेन भी छज। द्वारा यही से दिया जा रहा है। सिर्फ वह ट्रांसपेरेंट बोतल में पानी लेकर ही अंदर आ सकते हैं ।हर सेंटर पर 480 छात्र परीक्ष दे रहे हैं ।छज। द्वारा मेल फीमेल की अलग अलग जांच की जा रही है ।हमारे तरफ से टीचर्स द्वारा गाइड लाइन के अनुसार सभी को बता दिया गया है।

ICSE बोर्ड की 12वीं मे आल इंडिया तीसरी रैंक हासिल की अक्षिता ने

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, गोमतीनगर की छात्रा अक्षिता श्रीवास्तव ने ICSE बोर्ड की 12वीं कक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 99.25% अंक प्राप्त किए हैं। इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ उन्होंने ऑल इंडिया तीसरी रैंक हासिल की है। अक्षिता मूल रूप से जौनपुर जिले की मड़ियाहूं तहसील की बदौवां गांव निवासी हैं। वह स्वर्गीय जितेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव की पोती और डॉ. कौशलेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव की पुत्री हैं, जो वर्तमान में एक विद्यालय में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता से जौनपुर जिले में गर्व और उत्साह का माहौल है। अक्षिता ने बताया कि वह भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कानून और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) कानून का गहन अध्ययन करना चाहती हैं। उनका लक्ष्य एक ऐसी वकील बनने का है जो न केवल नियमों को समझे,बल्कि उन्हें मानवीय दृष्टिकोण से भी देखे। अक्षिता ने आगे कहा, मेरा सपना है कि मैं एक ऐसी दुनिया में योगदान दूं जहाँ तकनीक और न्याय एक साथ चलें। मैं सीमाओं के पार सोचने वाली वकील बनना चाहती हूं, जो कानून को सिर्फ किताबों में नहीं, इंसानियत की रोशनी में देखे। उन्होंने यह भी बताया कि उनके भीतर एक लेखिका भी बसती है। मैं कानून, समाज और तकनीक जैसे विषयों पर लिखना चाहती हूँ। जीवन के उन पहलुओं को उजागर करना चाहती हूँ, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। अक्षिता खुद को एक ष्सीमाहीन जिज्ञासुष मानती हैं। उनके अनुसार, मेरे लिए सफलता का मतलब है ज्ञान के हर रास्ते पर चलना और अपनी आवाज से समाज में बदलाव लाना। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता–पिता और गुरुजनों को दिया है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में हुई शिक्षा और परिवार का संबल ही उनकी सफलता की बुनियाद है।

सेवानिवृत सैन्यकर्मी घर पहुंचने पर किया गया भव्य स्वागत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर नक्सलियों, उग्रवादियों, आतंकवादियों और देश के दुश्मनों के दांत खट्टे करने वाले सीआरपीएफ के एक जवान अपनी सेवा पूरी कर घर पहुंचे। वहां पहुंचते ही परिवार समेत बड़ी संख्या में लोगों ने जोरदार स्वागत किया। गाजे–बाजे के साथ भारत माता के जयकारों से पूरा गगन गूंज उठा। वर्तमान में नगर के हुसेनाबाद और मूल रूप से विभनमऊ के रहने वाले शिवपूजन मिश्रा ने देश की रक्षा के लिए सन 1988 में सीआरपीएफ में ज्वाइन किया था। उन्होंने देश की सीमाओं पर रहते हुए भारत माँ की रक्षा की। साथ ही देश में फैले उग्रवादी और नक्सलियों से सफाए में अहम भूमिका निभाई। 30 अप्रैल 2025 को वे लखनऊ से रिटायर हो गए। सिटी

स्टेशन पहुंचने पर वहां उनका पूरा परिवार व बड़ी संख्या में लोगों ने गाजे बाजे व गगनचुम्बी भारत माता के नारे लगाकर जोरदार स्वागत किया। देश के सैनिक का स्वागत को देखकर रेलवे स्टेशन के अधिकारी कर्मचारी भी अभिभूत हो गए। उन लोगों ने भी सैनिक को सलाम करते हुए माला पहनाकर अभिनन्दन किया। इस मौके पर कमलजी मिश्रा, मोहनजी मिश्रा, अमित श्रीवास्तव, स्टेशन अधीक्षक अनिल कुमार उपाध्याय, मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक अनुराग तिवारी,कंचन मिश्रा, हनुमान प्रसाद,राजेश चौरसिया, संजय श्रीवास्तव,दीपू मिश्रा समेत बड़ी संख्या में लोगों स्वागत किया।

लखनऊ में शिक्षा में सहयोगी दृष्टिकोण विषय पर सफलतापूर्वक आयोजित हुआ आईड्यूकेशनलाइज का एजु विजनरी मीट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आईड्यूकेशनलाइज ने 3 मई को लखनऊ के रेडिसन होटल में षशिक्षा में सहयोगी दृष्टिकोणष विषय पर अपना एजु विजनरी मीट सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम में उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा से जुड़े प्रमुख नेतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया और शिक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार–विमर्श किया। यह कार्यक्रम प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के एक समूह द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें एलायंस यूनिवर्सिटी, पिंपरी चिंचवड़ यूनिवर्सिटी, महिंद्रा यूनिवर्सिटी, ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी और ICFAI यूनिवर्सिटी शामिल थे। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण रहा एक रोचक पैनल चर्चा, जिसमें उच्च शिक्षा के पाँच प्रमुख प्रतिनिधि और स्कूली शिक्षा के तीन अग्रणी व्यक्तित्व शामिल हुए। इन सभी ने शिक्षा में सहयोगी रणनीतियों के महत्व और उनके क्रियान्वयन पर अपने विचार साझा किए, जो लखनऊ, कानपुर और गोंडा की 60 से अधिक प्रमुख स्कूलों के प्रतिनिधियों को प्रेरित कर गए। एजु विजनरी मीट एक ऐसा मंच बना जहाँ नेटवर्किंग, ज्ञान साझा करने और नवाचारी तरीकों की खोज पर जोर दिया गया, जिससे उच्च शिक्षा संस्थान और स्कूल मिलकर छात्रों के लिए बेहतर शिक्षण अनुभव और परिणाम सुनिश्चित कर सकें। प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और सार्थक योगदान ने यह दर्शाया कि सभी शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग सहयोग से शिक्षा को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस आयोजन की सफलता ने क्षेत्र में शिक्षा के विभिन्न स्तरों के बीच मजबूत संबंधों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है और भविष्य में सहयोगी पहलों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है।

लिंग न्याय के योद्धाओं का सम्मान, SHEF के कार्य का बेहतरीन उदाहरण : ग्रामीण विकास मंत्री

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन (SHEF) ने लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग और महिला अध्ययन संस्थान के सहयोग से वार्षिक अभियान कृ इंडियाज डॉटर्स कैंपेन 2024:25 कृ का सम्मान समारोह आयोजित किया। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं, ने कहा, "लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए बच्चों को शिक्षित करने में शेफ ने सराहनीय कार्य किया है। सरकारी स्कूलों के शिक्षक और छात्रों के सक्रिय प्रयासों से समाज में परिवर्तन आया हैं। 400 से अधिक बाल विवाहों को रोकना और 1500 से अधिक लिंग आधारित अन्याय के मामलों की रिपोर्टिंग कराना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है।" उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू किया गया आरोहिणी कार्यक्रम बच्चों को सामुदायिक स्तर पर रूढ़िवादि सोच को चुनौती देने हेतु लैंगिक शिक्षा और नारीवादी शिक्षाशास्त्र के माध्यम से सशक्त करता है। यह पहल अब तक सात राज्यों के 1,600 स्कूलों में 2.85 लाख से अधिक बच्चों और 35,000 शिक्षकों तक पहुँच चुकी है, और यह कक्षाएँ लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के प्रति पैरवी करती है।

इंडियाज डॉटर्स कैंपेन 2025 में लिंग न्याय के नायकों का सम्मान

इंडियाज डॉटर्स कैंपेन 2025 के सम्मान समारोह में उन विद्यार्थियों और शिक्षकों की सक्रिय प्रयास और नेतृत्व का जश्न मनाया गया जिन्होंने अपने समुदायों में लिंग न्याय को आगे बढ़ाने के लिए साहसिक कदम उठाए।

इस अवसर पर कई किशोरियों और किशोरों को उनके वास्तविक जीवन में किए गए हस्तक्षेपों के लिए सम्मानित किया गया। पलिया की कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) की 13 वर्षीय रवीना ने पुलिस की सहायता से एक बाल विवाह को रोका। बस्ती के झ़ळटट सदर की 13 वर्षीय रोशनी ने पारिवारिक विरोध के बावजूद स्वयं को पुनः स्कूल में नामांकित किया। 14 वर्षीय शिवानी ने घरेलू हिंसा के खिलाफ खड़ी होकर अपनी मां की रक्षा की। देवेंद्र और ऋतिक राज जैसे लड़कों ने अपनी बहनों और भाइयों की जल्द शादी को रोका और हिंसा के विरुद्ध कार्यवाही की। वहीं अखिलेश ने अपने समुदाय के लड़कों को नियमित रूप से स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया। इन छात्रों ने दिखाया कि जागरूक और सशक्त किशोर बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। शिक्षकों को भी बच्चों की सुरक्षा में उनकी अग्रिम भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। झ़ळटट सुरतगंज की निशा मिश्रा और न्‍ै बरेटी जलालपुर के राम पाल ने बाल विवाह और शोषण के अनेक मामलों में हस्तक्षेप किया। पिंकू और अमिता जैसे शिक्षक नियमित प्रयासों के माध्यम से हिंसा को रोका और लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा दिया। समारोह में आरोहिणी नेटवर्क के समर्पित शिक्षकों के योगदान को भी मान्यता दी गई, जिनका कार्य प्रणालीगत परिवर्तन को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। ये सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ता यह दर्शाते हैं कि नारीवादी शिक्षा एक अधिक न्यायपूर्ण और समान समाज की नींव बन सकती है। समारोह में लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो–वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना, एकता सिंह (अपर राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान), विष्णु कांत पांडेय (अपर निदेशक, यूपी माध्यमिक शिक्षा), विवेक नौटियाल (अपर निदेशक, यूपी माध्यमिक शिक्षा), और मुकेश सिंह (वरिष्ठ विशेष अधिकारी, बालिका शिक्षा, सर्व शिक्षा अभियान) भी उपस्थित रहे।

वक्फ की जमीनों का इस्तेमाल मुसलमानों के विकाश में किया जायेगा : पुष्प राज सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने वक्फ कानून पर शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने वक्फ सुधार जन जागरण अभियान 2025 के बारे में बताया। यह कानून मुस्लिम समुदाय के हित में लाया गया है ।वक्फ की जमीनों का इस्तेमाल मुसलमानों के विकाश में किया जायेगा। वक्फ बोर्ड की जमीनों पर अब मुस्लिम बच्चों के लिए शैक्षणिक संस्थान और अस्पताल बनाए जाएंगे। जौनपुर में कुछ संपत्तियां प्राथमिक जांच में चिह्नित की गई हैं। इन पर राजस्व परिषद निर्णय लेगा। नए प्रावधान के तहत वक्फ बोर्ड में सभी समुदायों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। 1954 में लागू हुए वक्फ कानून का व्यापक दुरुपयोग हुआ है। वक्फ की संपत्तियों का लाभ वास्तविक हकदारों की जगह संपन्न लोगों को मिला।

देश में 31ध मुस्लिम समुदाय के लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। वक्फ की 80ध संपत्तियों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। कुछ लोगों ने वक्फ प्रावधान का दुरुपयोग कर मॉल और होटल बना लिए। आठ लाख एकड़ से अधिक जमीन में 70 प्रतिशत वक्फ की जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है। सच्चर कमेटी ने भी इस अवैध कब्जे की पुष्टि की थी। लखनऊ में कई ऐसी जमीनें हैं जिन पर वक्फ अपना दावा कर रहा है। वाराणसी के यूपी कॉलेज की जमीन पर भी वक्फ द्वारा दावा किया जा रहा है, जो वास्तव में राज परिवार की है। भाजपा कार्यकर्ता अब क्षेत्र में जाकर वक्फ कानून की जानकारी देंगे और मुस्लिम समाज को जागरूक करेंगे। नया वक्फ कानून मुस्लिम समाज को उनका वास्तविक अधिकार दिलाने का प्रयास है।

सुरक्षा कर्मियों ने राममंदिर के निकास द्वार से मुस्लिम महिला को पकड़ा, जांच एजेंसियों ने की पूछताछ

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेशकर एक मुस्लिम महिला राम मंदिर के अंदर घूमी. मंदिर से बाहर निकलते वक्त सुरक्षा कर्मियों ने महिला को हिरासत में ले लिया. उससे पूछताछ की जा रही है. महिला महाराष्ट्र की रहने वाली बताई जा रही है. वहीं, राम मंदिर में एक युवक कैमरे वाले चश्मे के साथ परिसर में प्रवेश करते हुए पकड़ा गया ।पुलिस के मुताबिक महिला शुक्रवार दोपहर में कुछ महिलाओं के साथ मंदिर में दर्शन करने पहुंची थी. वह अपने चेहरे को नीले रंग के कपड़े से बांधे हुई थी. सुरक्षा कर्मियों को संदेह हुआ तो उसे निकास द्वार पर रोक लिया गया. जब उससे पूछताछ की गई तो वह पुलिस से ही उलझ गई।

आनन फानन में सुरक्षा कर्मियों ने इस मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी. पुलिस के मुताबिक मंदिर में पकड़ी गई महिला को राम जन्मभूमि थाने भेज दिया गया जहां उससे पूछताछ कर नाम और पते के आधार पर सत्यापन की कार्रवाई की जा रही है. महिला को महिला थाना में रखा गया है. पूछताछ में महिला ने महाराष्ट्र का पता बताया है. उसने अपना नाम इरिम बताया है. इसके बाद पुलिस अब महिला के परिजनों से संपर्क कर रही है. पुलिस के मुताबिक महिला की परिजनों को बुलाया गया है।

राम मंदिर परिसर में एक युवक कैमरे वाला चश्मा लगाकर प्रवेश करते हुए पकड़ा गया।उसे पूछताछ के लिए राम जन्मभूमि थाने लाया गया।सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी के मुताबिक युवक के बताए पते और नाम का सत्यापन कराया जा रहा है. वहीं, पकड़ी गई महिला के परिजनों को बुलाया गया है।

एक प्रयास–अयोध्या संगठन ने मलिन बस्ती में पाठ्य सामग्री वितरित कर जगाई शिक्षा की अलख

अयोध्या। रविवार को एक प्रयास–अयोध्या सामाजिक संगठन के अध्यक्ष विजेश श्रीवास्तव एवं उनकी टीम मैं शिक्षा की अलख जगाने के लिए बच्चों को मलिन बस्ती में पाठ्य सामग्री व अल्पाहार वितरित किया। जिसे पाकर मलिन बस्तियों में मौजूद बच्चों के चेहरे पर खुशी के साफ–साफ लकीरें झलक रही थी ।इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष विजेश श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन समाज में जागरूकता एवम शिक्षा की अलख जगाने के लिए प्रतिबद्ध है ।जो जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए प्रयासरत है ।इस अवसर पर महामंत्री अंकुर श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष के.सी. श्रीवास्तव, युवाध्यक्ष अमित श्रीवास्तव विधिक सलाहकार नितिन गुप्ता, अभय श्रीवास्तव, अजीत प्रताप यादव , शादाब खघन , तनिष्क, दिलीप सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।